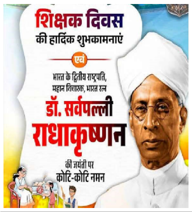

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 46 शनिवार 5 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जमीन बेचने के नाम पर हड़पे 14.65 लाख रुपये: मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । दुबौलिया थानाक्षेत्र में एक महिला से जमीन बेचने के नाम पर 14.65 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शहर में स्थित अपनी जमीन को बेचने की बात कहकर चेक, ट्रांसफर और नकद मिलाकर कुल 14.65 लाख रुपया ले लिया गया। लेकिन इसके बाद भी जमीन महिला के नाम नहीं हो सकी। इसके बाद महिला ने दी गई रकम मांगी तो स्टाम्प पर रकम वापस करने का वादा किया, लेकिन बाद में मुकर गया। पैसा मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। दुबौलिया पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

दुबौलिया थानाक्षेत्र के मनिकरपुर निवासी सुमन यादव पत्नी स्व. कृष्ण मुरारी यादव ने तहरीर देकर बताया है कि बस्ती शहर में जमीन खरीदने के लिए आरोपी राकेश कुमार से उनकी बात हुई। आरोप है कि राकेश, अपनी जमीन उन्हें देने के लिए तैयार हो गए। बातचीत तय होने के बाद उन्होंने एसबीआई दुबौलिया स्थित खाते से 13 दिसंबर 2019 को 50 रुपया और दो लाख रुपये का चेक अलग–अलग नाम से राकेश को दिया। साथ ही पांच लाख रुपया खाते से बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दिया।

इसके अलावा सात लाख 15 हजार रुपया राकेश कुमार को नकद भुगतान किया गया। भुगतान करने के बाद भी जमीन उन्हें नहीं मिल सकी तो उन्होंने दी गई रकम को वापस मांगा। बीते 20 मई को स्टॉम्प पर लिखकर राकेश कुमार ने दिया कि उनका सारा रुपया वापस कर देंगे। लेकिन अब तक पैसा वापस नहीं किया। इस संबंध में पूछने पर जान से मारने की धमकी दी। थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी राकेश कुमार निवासी कटरा डमरुआ थाना कोतवाली के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच एसआई राधारमण यादव को सौंपी गई है।

देखरेख करने वाले ने दूसरे के नाम कर दिया घर: जांच में जुटी पुलिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । दुबौलिया बाजार में एक व्यक्ति पर मकान की देखरेख के लिए रखे गए एक शख्स ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोप है कि देखरेख करने वाले ने मकान को दूसरे के नाम कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, दुबौलिया थाना क्षेत्र के बेमहरी गांव के रहने वाले आशीष गौतम ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। आशीष ने बताया कि उनकी मां स्वर्गीय चंद्रावती देवी ने साल 2008 में दुबौलिया बाजार में एक मकान खरीदा था। इस मकान की देखरेख के लिए बाबूराम पुत्र मुसे को रखा गया था।

आशीष का आरोप है कि बाबूराम ने उनके भरोसे का गलत फायदा उठाया। उसने लालच में आकर यह मकान उषा देवी पत्नी मुख्तार के नाम कर दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, बाबूराम को मकान बेचने या उसकी रजिस्ट्री करने का कोई अधिकार नहीं था। इसके बावजूद उसने संपत्ति दूसरे के नाम कर दी।

आशीष गौतम ने पुलिस से इस पूरे मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। पुलिस ने 3 सितंबर 2026 की रात 10.44 बजे दुबौलिया बाजार से जुड़ी शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया।थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। संपत्ति के असली दस्तावेज, बैनामा और रजिस्ट्री से जुड़े कागजातों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कॉकरोच पार्टी के विरोध के बाद सक्रिय हुई पुलिस:स्वतंत्र भारद्वाज हिरासत में

नई दिल्ली (आभा)। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक छात्रा के पिता पर हमला करने वाले हिंदूवादी कार्यकर्ता स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बुलंद शहर से हिरासत में ले लिया है। इसी मांग को लेकर ब्श्रच के प्रमुख नेताओं व कार्यकर्ताओं ने यूपी से सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ मिलकर शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग थाने का घेराव किया था। जिसके बाद पुलिस ने 72 घंटे के अंदर स्वतंत्र को गिरफ्तार करने का वादा किया था। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स से प्राप्त जानकारी के अनुसार हिरासत में लेने के बाद पुलिस आरोपी को बुलंदशहर स्थित चोला थाने लेकर गई, और अब यहां पर उससे पूछताछ की जा रही है।

इससे पहले स्वतंत्र भारद्वाज का एक इंटरव्यू वायरल होने के बाद कॉकरोच पार्टी ने उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार सुबह दिल्ली के संसद मार्ग थाने का घेराव किया था। इस इंटरव्यू में स्वतंत्र ने जुलाई में जंतर–मंतर पर हुए सीजेपी के धरना–प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी छात्रा निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर हमला करते हुए उन्हें गंभीर रूप से चोट पहुंचाने का दावा किया था, साथ ही बताया था कि इसके बाद भी राजनीतिक रसूख की वजह से उसे जेल नहीं जाना पड़ा था। इसी इंटरव्यू का वीडियो वायरल होने के बाद सीजेपी समर्थकों व दलित कार्यकर्ताओं का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने संसद मार्ग थाने का घेराव कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया था कि इस हमले के बाद पुलिस ने आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की थी। प्रदर्शनकारियों में सीजेपी के सह–संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका के अलावा आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद भी शामिल थे।

कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा शुक्रवार को संसद मार्ग थाने का घेराव करने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मामले में पॉक्सो एक्ट, हत्या की कोशिश की धारा व एससीएसटी एक्ट की धाराएं भी बढ़ाने की बात भी कही थी। साथ ही पुलिस ने 72 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार करने का आश्वासन भी दिया था।

इससे पहले गुरुवार को स्वतंत्र के इस वीडियो के वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस ने सफाई देते हुए बताया था कि 38–वर्षीय संजय कुमार को हाथापाई के दौरान सिर में साधारण चोट लगी थी। साथ ही मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए पुलिस ने स्वतंत्र के इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया था कि इस हमले में संजय की खोपड़ी की हड्डी टूट गई थी। पुलिस ने कहा था कि भारद्वाज और एक अन्य आरोपी सूरज कुमार को घटनास्थल से ही हिरासत में लिया गया था, और पूछताछ करने के बाद नोटिस दिया गया था।

नेपाल में बाढ से तबाही.–9 दिन बाद सुरंग से जिन्दा निकले 2 मजदूर: 40 के अब भी फंसे होने की आशंका

लखनऊ (आभा)। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली–3 '।' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। बाढ़ के बाद सुरंग में 42 कर्मचारी और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद बचाव अभियान में उम्मीद बढ़ी है।

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग में दाखिल हुईं और तलाशी अभियान तेज किया। बाढ़ से अब तक 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं। अब तक 1,282 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि राहत और बचाव दलों ने 12,038 लोगों को सुरक्षित निकाला है।

नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में शवों की बरामदगी का अभियान जारी है। चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव मिले हैं, जबकि अब तक बरामद शवों में से 95 की पहचान की जा चुकी है। प्रशासन और बचाव दल लापता लोगों की तलाश के साथ शवों की पहचान और उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। कबीर महर्जन 25 अगस्त की सुबह त्रिशूली–3। में मेंटेनेंस के काम के लिए गए थे। रेस्क्यू के बाद उनकी पत्नी ने कहा कि ऐसा लगा जैसे उनके पति को दूसरी जिंदगी मिल गई हो। 26 अगस्त को आई बाढ़ की घटना के बाद उनका फोन बंद हो गया। उस सुबह करीब 7.30 बजे पत्नी हीरा शोभा से कबीर की आखिरी बार बात हुई थी। कई दिन तक कोई खबर नहीं मिलने से परिवार की चिंता बढ़ती गई थी। अब कबीर के रेस्क्यू के बाद उनके परिजनों ने राहत की सांस ली है।

एक प्रगतिशील किसान, शिक्षक राजेन्द्र उपाध्याय जैसा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सेठा गांव निवासी प्रगतिशील किसान राजेंद्र उपाध्याय की दिनचर्या कुदाल से शुरू होकर कलम का सफर तय करते हुए इति होती है। बीते वर्षों में अनेक बार तिलहन के सरसों और अन्न के धान फसलों के सर्वाधिक उत्पादन का जिला अधिकारी के कर कमरों से जिला स्तरीय प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर चुके प्रगतिशील किसान राजेंद्र शैक्षिक कार्य दिवसों में बस्ती जिले के अलावा प्रदेश के अन्य जनपदों के विभिन्न इंटर कॉलेजो के इंटर कक्षाओं में स्वैच्छिक स्वरूप में एक विद्यादानी शिक्षक के रूप में हिंदी एवं जीव विज्ञान दोनों विषयों का अध्यापन करते हैं। एक कर्मयोगी की दैनिक निःशुल्क शिक्षण यात्रा के पड़ाव का अंत होते नहीं दिखता। बौद्धिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में राजेंद्र उपाध्याय के उक्त राष्ट्र निर्माण की यात्रा की अविरल गूंज है।

राजेंद्र की जीविका खेती से चलती है। उस क्षेत्र में भी उन्होंने जिला स्तरीय एक प्रगतिशील किसान के रूप में कीर्तिमान कायम करते हुए जहां जनपद का मान बढ़ाया है वहीं बीते 30 वर्षों से राजेंद्र उपाध्याय ने अब तक बस्ती जिले के अलावा प्रदेश के अन्य जिलो के विभिन्न इंटर कालेजों में इंटर कक्षाओं में हिंदी एवं जीव विज्ञान विषयों का निःशुल्क स्वैच्छिक अध्यापन करके छात्र–छात्राओं को अनुसंधानिक एवं नवाचारी शिक्षा से समृद्ध किया है। हिंदी एवं जीव विज्ञान दोनों विषयों से परास्नातक राजेंद्र उपाध्याय ने अब तक किसी भी राजकीय सेवा हेतु कोई आवेदन नहीं किया। स्वैच्छिक स्वरूप में विभिन्न विद्यालयों के इंटर कॉलेजो में निःशुल्क अध्यापन करते हुए बीते लगभग तीन दशकों में श्री उपाध्याय ने अनुमानतः अब तक पचास हजार से भी अधिक छात्र–छात्राओं को हिंदी और जीव विज्ञान विषयों के पाठ्यक्रम के साथ–साथ उच्च स्तरीय प्रतियोगी ज्ञान से भी तृप्त किया है। राष्ट्र एवं समाज को समर्पित ऐसे साधक की की सदयात्रा का अंत होते नहीं दिखता। सुबह के तीन घंटे खेती से रोजगार के साधन विकसित कर दोपहर के दो–तीन घंटे प्रतिदिन इंटर कॉलेजो में विद्या दान करता यह पथिक शिक्षक दिवस के स्वप्न को साकार करते हुए शिक्षकों के सम्मान और गरिमा को अनवरत ऊंचाई दे रहा है।

सरयू नहर कटने से आक्रोश, किसानों की फसल चौपट

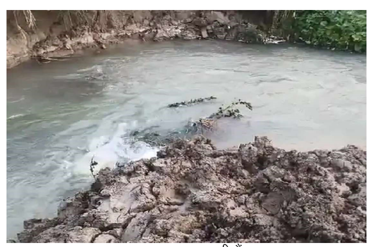

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

हर्रैया (बस्ती)। परशुरामपुर में सरयू नहर खंड–3 एक बार फिर कट गई है। इससे लच्छीपुर, रायपुर और धेनुगांवा गांवों के दर्जनों किसानों की फसलें पानी में डूब गईं। नहर के बार–बार कटने से किसानों में सिंचाई विभाग के अधिकारियों के खिलाफ गुस्सा है। ग्रामीणों का आरोप है कि नहर की ठीक से निगरानी और समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण यह समस्या दोबारा हुई है। किसानों ने बताया कि कल भी इसी जगह पर नहर कटी थी और खेतों में पानी भर गया था। इसके बावजूद अधिकारियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे नहर फिर से कट गई।

नहर का पानी तेजी से खेतों में फैलने से किसानों की खड़ी फसलें डूब गई हैं। धान के साथ–साथ दूसरी फसलों को भी नुकसान होने की आशंका है। किसानों का कहना है कि अगर पानी जल्दी नहीं निकाला गया, तो फसलें पूरी तरह खराब हो सकती हैं।

नहर कटने से बब्लू शर्मा, हरिओम यादव, जोखू लाल यादव, राम बदर जायसवाल, शोभाराम, सागर, अमीन अली, जशवंत और बूच्चा सिंह जैसे दर्जनों किसान प्रभावित हुए हैं। किसानों ने बताया कि उन्होंने बड़ी मेहनत और पैसा लगाकर फसल तैयार की थी, लेकिन अब उनकी मेहनत पर पानी फिर गया है। किसानों ने सिंचाई विभाग और प्रशासन से तुरंत मौके पर आकर नहर की कटान रोकने की अपील की है।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर नहर की पटरी और कमजोर जगहों की समय पर मरम्मत नहीं की गई, तो ऐसी घटनाएं आगे भी हो सकती हैं। किसानों ने विभाग के अधिकारियों से नहर का स्थायी निरीक्षण करवाकर जरूरी मरम्मत कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि इस समस्या पर विभाग कितनी जल्दी कार्रवाई करता है और किसानों को कब तक राहत मिलती है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम मंदिरों पर उमड़ी आस्था

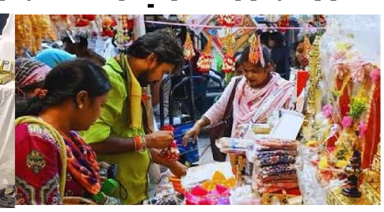

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों में उत्साह का माहौल है। शुक्रवार रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही घरों और मंदिरों में घंटियां, शंख और बधाइयां गूंजेंगी। गांधीनगर स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर में जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिर को रंग–बिरंगी झालरों से सजाया गया है। मूर्तियों की साफ–सफाई के साथ पूरे परिसर को आकर्षक रूप दिया गया है।

मान्यता के अनुसार घरों में श्रीकृष्ण का जन्म बच्चे के जन्म की तरह कराया जाता है। श्रद्धालु खीरे को गर्भ का प्रतीक मानते हैं। आधी रात को इसी से बाल गोपाल का जन्म कराया जाता है। इसके बाद लड्डू गोपाल को स्नान कराकर नई पोशाक पहनाई जाती है। हनुमानगढ़ी मंदिर में भी जन्म के बाद लड्डू गोपाल का अभिषेक कर नई पोशाक पहनाई जाएगी। मंदिर के पुजारी ने बताया कि जन्माष्टमी पर करीब एक हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। शाम से भजन–कीर्तन शुरू होगा। इसके साथ श्रीराम नाम का जाप भी किया जाएगा। आधी रात भगवान के जन्म के समय विशेष पूजा–अर्चना होगी और उन्हें छप्पन भोग लगाया जाएगा।

जन्माष्टमी को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर लड्डू गोपाल की पोशाक, झूले, मुकुट, बांसुरी और मोरपंख समेत साज–शृंगार का सामान खूब बिक रहा है। बांसुरी की कीमत 30 रुपए से शुरू है। 100 से 1500 रुपए तक के लड्डू गोपाल उपलब्ध हैं। झूले 50 से लेकर 2800 रुपए तक में मिल रहे हैं। सबसे महंगी लड्डू गोपाल की मूर्ति 5300 रुपए की है। मोरपंखी 10 रुपए में और छप्पन भोग की सामग्री करीब 1500 रुपए में उपलब्ध है। श्रीकृष्ण के लिए 1200 से 1500 रुपए तक का छप्पन भोग तैयार किया जा रहा है। शुक्रवार रात भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिरों और घरों में घंटियों व शंख की गूंज सुनाई देगी। बधाइयों के बीच पूरा माहौल भक्तिमय हो जाएगा।

25 लाख के ऋण का झांसा देकर सफाईकर्मी से ठगी:खाते से निकाले 3.21 लाख

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बनकटी विकास खंड में तैनात एक सफाईकर्मी के पति से 25 लाख रुपये का लोन दिलाने का झांसा देकर 3.21 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि लोन पास नहीं होने पर रुपये वापस मांगने पर महिला को नौकरी से निकलवाने की धमकी दी गई। महिला ने आरोपियों पर घर पहुंचकर गाली–गलौज करने, जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। मामले में लालगंज पुलिस ने सिविल लाइंस निवासी रवि कुमार वर्मा और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस के मुताबिक, लालगंज थाना क्षेत्र के कुसुम्ही खुर्द गांव निवासी कविता देवी बनकटी विकास खंड में सफाईकर्मी हैं और देईसांड में किराए के मकान में रहती हैं। शिकायत में उन्होंने बताया कि करीब दो साल पहले बस्ती के सिविल लाइंस निवासी रवि कुमार वर्मा ने उनके पति को जमीन के आधार पर 25 लाख रुपये का लोन दिलाने की बात कही थी। आरोप है कि लोन की प्रक्रिया के लिए रवि ने बैनामे की फोटोकॉपी, आधार कार्ड, पैन कार्ड और चेकबुक समेत कई दस्तावेज ले लिए। फाइल तैयार कराने के नाम पर भी उनसे रुपये लिए गए। कविता देवी का आरोप है कि इसके बाद उनके बैंक खाते से अलग–अलग तरीकों से कुल 3,21,300 रुपये निकाल लिए गए। हालांकि, इसके बावजूद 25 लाख रुपये का लोन पास नहीं हुआ। जब महिला ने आरोपी से अपने रुपये के बारे में जानकारी मांगी तो वह नाराज हो गया। आरोप है कि रवि कुमार वर्मा ने महिला को नौकरी से निकलवाने की धमकी दी। महिला ने आरोप लगाया कि इसके बाद रवि अपने दो साथियों के साथ उनके घर पहुंचा। वहां आरोपियों ने गाली–गलौज की और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर उन्हें अपमानित किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है।

लालगंज पुलिस ने शिकायत के आधार पर रवि कुमार वर्मा और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और खाते से रुपये निकाले जाने तथा लोन के नाम पर लिए गए दस्तावेजों से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

विश्व हिन्दू महासंघ की बैठक में गूंजा श्रीकृष्ण जन्म भूमि मुक्ति का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्र संत ब्रम्हलीन अवेद्यनाथ जी के 12 वीं पुण्य तिथि पर आगामी 12 सितम्बर को दिन में 11 बजे से राजकीय इण्टर कालेज से अमहट घाट स्थित स्द्धिेश्वरनाथ मंदिर तक श्रीकृष्ण जन्म भूमि मुक्ति यज्ञ, विजय यात्रा निकाले जाने, सहभोज का निर्णय लिया गया।

-ब्रम्हलीन अवेद्यनाथ के पुण्य तिथि पर आयोजन 12 को
-श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति के लिये संघर्ष का समय आ गया-सतीशचन्द्र

बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये मण्डल अध्यक्ष सतीश चन्द्र मिश्र ने कहा कि श्री अयोध्या धाम में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद अब मथुरा में श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति के लिये संघर्ष करने का समय आ गया है। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सरयू प्रसाद शुक्ल ने कहा कि गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी मुख्यमंत्री के रूप में श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति के लिये निरन्तर रचनात्मक प्रयास कर रहे हैं। हम सबको मिलकर इस लक्ष्य को पूरा करना होगा। विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि कन्हैया और नन्दी कब तक रहेंगे बंदी, हिन्दू समाज जागेगा तभी संकल्प पूरे होंगे।

मासिक बैठक को जिलाध्यक्ष संतकबीर नगर दिनेश चौबे, विधि प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप मिश्र, गोरक्षा प्रकोष्ठ वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय शंकर शुक्ल, सौरभ त्रिपाठी, बशिष्ठमुनि दूबे, विवेक श्रीवास्तव, डा. पंकज त्रिपाठी, पूनम सिंह, आदि ने सम्बोधित करते हुये महासंघ की सांगठनिक मजबूती और 12 सितम्बर के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जोर दिया।

बैठक में मुख्य रूप से अमरजीत सिंह, जमुना प्रसाद, सुधीर सिंह, समर प्रताप सिंह, चन्द्रशेखर कमलापुरी, बाबा जय प्रकाश दास, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सौरभ चतुर्वेदी, राजकुमार उर्फ मन्टू चौधरी, विपिन सिंह, राकेश सिंह, बालकृष्ण सिंह, सुनील मिश्र, अभय चौधरी, रूप नरायन गोंड, सतीश पाण्डेय, परमानन्द गुप्ता, संदीप कमलापुरी, राहुल कमलापुरी, सूरज श्रीवास्तव, अभिषेक सिंह, जवाहरलाल, प्रिन्स जायसवाल, राजन सिंह, अभिषेक आर्य, शिवम मिश्र, शैलेष शुक्ल, अरूण सिंह, रवि शुक्ल, विकास वर्मा, राजित राम, बाबा देवेन्द्र दास के साथ ही बड़ी संख्या में महासंघ पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 सितम्बर 2026 शनिवार

सम्पादकीय

बाढ़ और पुर्नवास की चुनौती

नेपाल की आपदा से इतर भारत में बाढ़ इस साल भी असम, केरल, हिमाचल, ओडिशा और जम्मू–कश्मीर आदि जगहों पर आफत बन कर आई। अब तक जो आकलन किया गया है, उसके मुताबिक सैकड़ों लोगों की जान गई है। हजारों की संख्या में मवेशी मारे गए हैं। लाखों हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई है। लाखों परिवार प्रभावित हुए हैं। वहीं, सैकड़ों सड़कें, पुल, मकान और बाग–बगीचे पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। अब प्रशासन के सामने बाढ़, भूस्खलन और अतिवृष्टि की वजह से हुई बर्बादी के बाद अलग–अलग स्तर की कई चुनौतियां सामने हैं। सबसे ज्यादा चुनौतियां असम में दिख रही हैं। वहां राहत के बाद पुनर्वास एक बड़ा संकट है। पीड़ित परिवारों को भुखमरी से बचाना जरूरी है। स्कूल छोड़ने वाले छात्र–छात्राओं की शिक्षा नियमित करना भी बड़ी चुनौती है।

दरअसल, बाढ़ के बाद असली परीक्षा राज्य सरकारों, आपदा प्रबंधन विभाग और बाढ़ पीड़ितों की होती है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रभावित नागरिकों, खासकर जिनके मकान और खेत–खलिहान पूरी तरह नष्ट हो गए होते हैं, उनके लिए स्थायी पुनर्वास और भुखमरी से बचाने की होती है। असम, ओडिशा, केरल, हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर में हजारों गिरे मकानों को फिर से बना कर लोगों के लिए तत्काल भोजन, पानी–बिजली और अन्य जरूरी चीजों की बेहतर व्यवस्था करना सरकार के लिए किसी कड़ी परीक्षा से कम नहीं है।

केंद्र और राज्य सरकारें आपदा राहत के लिए मुख्यतः राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की मदद लेती हैं, लेकिन इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती यह है कि राहत का काम अपेक्षाकृत तेजी से कैसे हो, जबकि स्थायी पुनर्वास में क्षति का सर्वेक्षण, पात्र परिवारों की पहचान, मुआवजा, बुनियादी ढांचे की पुनर्बहाली में समय अधिक लगने से परिवारों को भुखमरी और दूसरी समस्याओं को कम समय में उचित समाधान करने की चुनौती बनी रहती है। इसलिए बेहतर बाढ़ प्रबंधन नए दौर की जरूरत है।

इस बार मानसून ने असम से लेकर हिमाचल प्रदेश, केरल और ओडिशा जैसे सबसे ज्यादा बाढ़ प्रभावित राज्यों तक यह सवाल फिर सामने रखा है कि क्या हम हर साल बाढ़ आने पर राहत शिविर और मुआवजा देने तक सीमित रहेंगे या ऐसी कोई व्यवस्था बनाएंगे जिसमें बाढ़ के बाद प्रभावित परिवारों को स्थायी रूप से सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाया जा सके। सवाल यह भी है कि स्थायी पुनर्वास और आत्मनिर्भर बनाने वाली नीति को पारदर्शी तरीके से लागू करना और उस पर अमल करवाना क्या संभव है? यह सवाल इसलिए उठा है कि पिछले वर्षों में बाढ़ प्रभावित लोग महीनों तक दर–दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर हुए थे। इस साल भी हजारों परिवारों के सामने पुनर्वास की विकट समस्या है। इसके अलावा, सड़क, बिजली, पेयजल, सिंचाई, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी परिसंपत्तियों की पुनर्बहाली जैसी समस्याएं हैं, जिन्हें हल करना बेहद जरूरी है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए स्थायी पुनर्वास और भविष्य में बाढ़ से जोखिम कम करने की चुनौती राज्य सरकारों के सामने होती है, लेकिन हर साल ये समस्याएं उसी रूप में बनी रहती हैं। इसलिए अतिवृष्टि और बाढ़ आने पर लोगों पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि ऐसा बाढ़ नियंत्रण ढांचा तैयार किया जाए, जिससे विकट बाढ़ और बरसात में लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े, जैसे जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों में देखने में आता है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, असम में इस साल बाढ़ की वजह से सबसे ज्यादा जान–माल और बुनियादी ढांचे का नुकसान हुआ है। इस साल अब तक सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 10,748.64 हेक्टेयर फसल क्षेत्र जलमग्न हो चुका है। 47,000 से अधिक मवेशी बाढ़ में बह गए या भूख से मर गए। असम सरकार के मुताबिक, इस साल 12 अगस्त तक बाढ़ और अतिवृष्टि की वजह से 150 करोड़ का नुकसान हुआ है। सरकार का अनुमान है कि इस साल बाढ़ के बाद राहत और पुनर्वास में एक हजार करोड़ से अधिक खर्च हो सकता है। राज्य सरकार के मुताबिक, यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि असम को इस साल अतिवृष्टि और बाढ़ से कितना नुकसान हुआ है।

हिमाचल प्रदेश में असम से अलग तरह की समस्या है। यहां अचानक आई बाढ़, बादल फटने, भूस्खलन और पहाड़ी ढलानों के टूटने से तबाही मची। तीस जून से 11 अगस्त तक हुए नुकसान के जो आंकड़े राज्य प्रशासन ने उपलब्ध कराए हैं, उसके मुताबिक 70 से अधिक लोगों की मौत हुई है। सार्वजनिक संपत्ति में करीब 910.35 करोड़ का नुकसान हुआ। यहां भी अचानक बादल फटने से ढह गए मकानों को फिर से बनवाना एक बड़ी चुनौती होती है, क्योंकि पहाड़ी इलाका होने की वजह से पुनर्वास सहज नहीं होता है।

ओडिशा में बाढ़ और अतिवृष्टि के कारण हर साल की तरह इस साल भी जान–माल का भारी नुकसान हुआ है। 22 जिलों में 1,458 गांवों और 85 प्रखंडों में 8,63,909 मकानों को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार ने 110 करोड़ की शुरुआती बाढ़ राहत की घोषणा की। यहां फसलों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। इसी तरह केरल में बाढ़, भारी बरसात और भूस्खलन से जान–माल का काफी नुकसान हुआ। ऐसे में राहत के बाद स्थायी पुनर्वास और प्रभावित लोगों को हर तरह की मदद की दरकार है। यहां हर साल बाढ़ और अतिवृष्टि से काफी जान–माल का नुकसान होता है, लेकिन पुनर्वास की समस्या यहां भी है। इस पर राज्य सरकार को गौर करने की जरूरत है।

बाढ़, भूस्खलन और अतिवृष्टि के कारण मकानों–मवेशियों और फसलों के नष्ट होने से लोगों पर ऐसी मुसीबत आती है कि प्रभावित क्षेत्रों में कुछ भी दिखाई नहीं देता है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी हर स्तर पर बढ़ जाती है। मसलन, किसान की एक गाय या भैंस केवल एक पशु नहीं होती, यह बच्चों के लिए दूध–भोजन, शिक्षा और परिवार के लिए नियमित आय का आधार होती है। इसी तरह फसल का नुकसान केवल एक मौसम की आय का नुकसान नहीं है, किसान की अगली फसल के लिए बीज, खाद, सिंचाई, मजदूरी, पानी के लिए पूंजी का आधार भी है।

आपदा प्रबंधन का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि कितने लोगों को बचाया गया या कितने राहत शिविर लगाए गए। समग्रता से हर स्तर, हर क्षेत्र और हर व्यक्ति के नुकसान का मूल्यांकन होना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि असम में राहत और स्थायी पुनर्वास के लिए पूरे दम–खम और ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम किया जाएगा। बाढ़ का पानी उतरने के बाद राहत के कार्य तेजी से करने की बेहद जरूरत है। यह तभी संभव है जब बाढ़ प्रभावित राज्यों के अधिकारी पूरी संवेदना और ईमानदारी के साथ राहत कार्यों की निगरानी करें।

श्रीराम जन्मभूमि के नये सीईओ की चुनौतियां

–मृत्युंजय दीक्षित–

अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा प्रकरण के बाद जिस प्रकार कुछ राजनैतिक दल सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लगातार जांच चलने के बाद भी अपने निहित स्वार्थ सिद्ध करने के लिए सनातन धर्म का लगातार अपमान कर रहे थे और पुरजोर प्रयास कर रहे थे कि किसी न किसी प्रकार अयोध्या के प्रति हिंदुओ की आस्था कमजोर पड़ जाए उससे सनातन समाज में क्रोध और निराशा दोनों ही व्याप्त हो रहे थे। अब जब एक लंबी चयन प्रक्रिया के बाद आपरेशन सिंदूर के नायक रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति श्री रामजन्मभूमि मन्दिर के प्रथम सीईओ के रूप में की गई है उससे हिन्दू समाज में भरोसे का नया भाव जगा है।

नये सीईओ जितेंद्र मिश्र– अयोध्या में राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र की नये सीईओ के रूप में नियुक्ति की है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र पूर्व में लड़ाकू विमान उड़ाकर सीमाओं की सुरक्षा करते रहे हैं। वह वायुसेना में लगभग 40 वर्ष तक रहे तथा जनवरी 2025 में उन्होंने पश्चिमी एयर कमांड की जिम्मेदारी संभाली तथा ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाई। जितेंद्र मिश्र ने 1999 में कारगिल युद्ध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा मिराज 2000 से पाकिस्तानी सेना पर बमबारी की थी। जैसे ही जितेन्द्र मिश्रा के नाम का घोषणा हुई सोशल व टीवी मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर के समय की प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के साथ उनकी तस्वीर वायरल हो गई। इस तस्वीर में जितेंद्र मिश्रा प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी करते दिखाई पड़ रहे हैं । अब वही जितेंद्र मिश्र अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि के सीईओ बनकर राम मंदिर का कामकाम संभालने जा रहे है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र का कोई राजनैतिक बैकग्राउंड नही है।

देवरिया की भूमि के सुपुत्र जितेंद्र मिश्रा को स्वतंत्रता दिवस पर सर्वोतम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था। इससे पूर्व उन्हें 2024 में अति विशिष्ट सेवा मेडल ओर 2013 में विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। वह 6 दिसंबर 1986 को एयरफोर्स एकेडमी से वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में शामिल हुए थे। 40 वर्ष के कैरियर में उन्हें 3 हजार घंटे से अधिक उड़ाने भरने का अनुभव है। नेटफिक्स की ऑपरेशन सफेद सागर में जितेंद्र मिश्र का किरदार दिखाया गया था।

श्रीराम मंदिर के सीईओ के प्रतिदिन के कामकाज में प्रतिदिन का दर्शन प्रबंधन, सुरक्षा ,सफाई, वीआईपी मूवमेंट, पर्वों पर भीड़ नियंत्रण, स्टाफ की निगरानी, जिला प्रशासन और पुलिस से तालमेल जैसे काम शामिल हैं। नीति, वित्त और शासन पर वास्तविक अधिकार महासचिव के पास ही रहेगा । पूर्व कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरि जी नए महासचिव बनाए गए हैं। सीईओ महासचिव को रिपोर्ट करेगा और सीधे महासचिव के अधीन काम करेगा। सीईओ नीति बाने की बजाय फैसलों को लागू करेगा। महासचिव सीईओ की नियुक्ति उसके कामकाज की समीक्षा और वार्षिक बजट की अनुमति देगा। ट्रस्ट का प्रत्येक बड़ा निर्णय महासचिव की अनुमति से ही होगा।

राम मंदिर ट्रस्ट में निर्णय की शक्ति महासचिव के पास तथा कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सीईओ के पास रहेगी। सीईओ पद के लिए देशभर से 5,585आवेदन आए थे, जिसमें आईएएस आईपीएस अधिकारियों के अलावा सेना के ब्रिगेडियर स्तर के अधिकारी और गैर सरकारी संगठनों से जुड़े लोग भी शामिल थे। मीडिया के तमाम अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए देवरिया निवासी जितेन्द्र मिश्रा का नाम सामने आते ही सभी विश्लेषक हैरान रह गए।

ट्रस्ट में खाली पड़े तीन पदों को भी भर दिया गया है।इनमें दिल्ली के महेश भागचंदका, अयोध्या के एडवोकेट मदन मोहन पांडेय और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शिकोहाबाद की डा. निर्मला यादव को भी शामिल किया गया है। अब महिला वर्ग की यह शिकायत भी दूर हो गई है कि ट्रस्ट में कोई महिला सदस्य नहीं है। डा. निर्मला यादव शिक्षा क्षेत्र में काफी समय से काम कर रही है। जबकि मदन माहेन पांडेय ने रामलला की ओर से मुकदमा लड़ा था। नए ट्रस्ट के गठन के बाद चंपत राय जी की वापसी संभावनाएं लगभग समाप्त हो गई हैं।

हिन्दू समाज एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा की ओर भरोसे से देख रहा है कि जिस प्रकार उन्होंने देश की सीमाओं की सुरक्षा की उसी प्रकार वह नई भूमिका में हनुमान जी की तरह दिव्य व भव्य श्रीराम मंदिर की सेवा व सुरक्षा करेंगे।

भविष्य की दिशा और शिक्षा का नया स्वरूप

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

शिक्षा का स्वरूप आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है, वैसा परिवर्तन शायद पहले कभी देखने को नहीं मिला। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण, आभासी कक्षाएँ और नई शिक्षण पद्धतियाँ सीखने की प्रक्रिया को नया आकार दे रही हैं। बच्चे आज किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब ज्ञान और सूचना इतनी सहजता से उपलब्ध है, तब शिक्षक की भूमिका क्या रह जाएगी? वास्तव में तकनीक के विस्तार ने शिक्षक की भूमिका को कम नहीं किया, बल्कि उसे और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। आने वाले समय में शिक्षक केवल ज्ञानदाता नहीं, बल्कि जीवन–दृष्टा, मार्गदर्शक, प्रेरक और मानवीय मूल्यों के संरक्षक होंगे।

परम्परागत रूप से शिक्षक की भूमिका पुस्तकों और पाठ्यक्रम के अध्ययन–अध्यापन तक मानी जाती रही है। लेकिन आज यह भूमिका कहीं व्यापक हो चुकी है। शिक्षक विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करना पर्याप्त नहीं है। उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही और गलत के बीच अंतर समझना, असफलताओं से सीखना, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना और कठिन परिस्थितियों में संतुलित निर्णय लेना भी सिखाना आवश्यक है।

डिजिटल युग ने ज्ञान की सीमाएँ लगभग समाप्त कर दी हैं। इंटरनेट और डिजिटल मंचों ने सूचना का विशाल संसार विद्यार्थियों के हाथों में पहुँचा दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में किसी प्रश्न का उत्तर दे सकती है। लेकिन सूचना और ज्ञान में अंतर है तथा ज्ञान और विवेक में उससे भी बड़ा अंतर है। किसी प्रश्न का उत्तर जान लेना अलग बात है और उस उत्तर का जीवन में उचित उपयोग करना अलग। तकनीक जानकारी उपलब्ध करा सकती है, पर उसका विवेकपूर्ण उपयोग, नैतिकता और मानवीय दृष्टिकोण शिक्षक ही विकसित कर सकते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और रोबोटिकी तथा स्वचालन के विस्तार के साथ रोजगार और कौशल की दुनिया भी बदल रही है। आने वाले वर्षों में अनेक पारम्परिक कार्यों का स्वरूप बदलेगा। ऐसे समय में शिक्षा की चुनौती केवल यह नहीं होगी कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, बल्कि यह भी होगी कि वे बदलती परिस्थितियों के अनुसार कितना सीख सकते हैं, कितना सोच सकते हैं और समस्याओं का समाधान किस प्रकार कर सकते हैं। इसलिए भविष्य का शिक्षक स्वयं भी निरन्तर सीखने वाला होगा। जो शिक्षक समय के साथ अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और शिक्षण–पद्धति को अद्यतन करेंगे, वही विद्यार्थियों को भविष्य के लिए बेहतर तैयार कर पाएँगे।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता शिक्षा और कौशल के बीच संतुलन स्थापित करने की है। केवल उपाधियाँ प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी नहीं है। संवाद कौशल, समस्या–समाधान क्षमता, रचनात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता, सहयोग की भावना और सहानुभूति जैसे गुण भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षक को विद्यार्थियों में इन क्षमताओं का विकास करना होगा, ताकि वे केवल अच्छे विद्यार्थी नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें।

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में शिक्षक की भूमिका और भी व्यापक हो जाती है। यहाँ शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आधार भी है। शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी संस्कृति, परम्पराओं और मूल्यों से जोड़ते हुए उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संवैधानिक मूल्यों का विकास कर सकते हैं। विद्यालय की कक्षा वास्तव में भविष्य के समाज की प्रयोगशाला है।

तकनीक के इस दौर में शिक्षक की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवीय संवेदना है। पुस्तक ज्ञान दे सकती है, इंटरनेट सूचना दे सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्तर दे सकती है, लेकिन किसी विद्यार्थी की आँखों में छिपी निराशा को पहचानना, उसकी असफलता में उसका मनोबल बढ़ाना और उसे फिर से प्रयास करने की प्रेरणा देना शिक्षक ही कर सकता है। मशीन विद्यार्थी के प्रश्न का उत्तर दे सकती है, लेकिन उसके मौन का अर्थ समझना अभी भी मानवीय संवेदना का विषय है।

आज परिवारों की संरचना और जीवनशैली में भी बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों का स्वरूप सीमित हो रहा है और अनेक बच्चों को पहले की तरह परिवार के बुजुर्गों का निरन्तर मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। ऐसे समय में शिक्षक का दायित्व और बढ़ जाता है। विद्यालय केवल पाठ पढ़ाने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व और जीवन–दृष्टि को आकार देने का स्थान भी है। एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थी के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन, धैर्य और जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित कर सकता है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा वह शक्ति है जो व्यक्ति को प्रश्न करना, तर्क करना, निर्णय लेना और परिस्थितियों का सामना करना सिखाती है। शिक्षा मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, बल्कि विवेकशील और संवेदनशील भी बनाती है। यदि विद्यार्थी ऊँची उपाधियाँ तो प्राप्त कर लें, लेकिन उनमें करुणा, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का अभाव हो, तो शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य से दूर हो जाती है।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन की सबसे मजबूत कड़ी शिक्षक हैं। एक शिक्षक एक विद्यार्थी को बदलता है, विद्यार्थी परिवार को प्रभावित करता है और परिवार समाज को। इस प्रकार शिक्षक का प्रभाव एक पूरी पीढ़ी तक पहुँचता है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, नीतियों और योजनाओं में नहीं बनताय उसका वास्तविक निर्माण कक्षाओं में होता है। कक्षा में बैठा विद्यार्थी ही आने वाले समय का वैज्ञानिक, चिकित्सक, प्रशासक, शिक्षक, जनप्रतिनिधि, उद्यमी और नागरिक बनेगा।

भारतीय परम्परा में गुरु को सदैव विशेष सम्मान दिया गया है। गुरुकुल परम्परा से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों तक गुरु–शिष्य संबंधा ने ज्ञान के साथ संस्कारों की परम्परा को भी आगे बढ़ाया है। समय बदल गया है, शिक्षा के साधन बदल गए हैं और तकनीक ने अध्यापन की शैली बदल दी है, लेकिन गुरु की मूल भूमिका आज भी वही है अज्ञान से ज्ञान की ओर और भ्रम से विवेक की ओर ले जाना।

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों को सम्मान देने का अवसर नहीं, बल्कि शिक्षा के उद्देश्य पर पुनर्विचार करने का भी दिन है। हमें यह विचार करना होगा कि हम अपने बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रहे हैं या जीवन के लिए भी। क्या हम उन्हें केवल सफल बनाना चाहते हैं या अच्छा इंसान भी? इन प्रश्नों का उत्तर हमारी शिक्षा व्यवस्था के भविष्य की दिशा तय करेगा।

आने वाले आठ–दस वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी परिवर्तन और अधिक तेज होंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता विद्यार्थियों की सीखने की गति को बढ़ाएगी, व्यक्तिगत शिक्षण को संभव बनाएगी और शिक्षकों के अनेक प्रशासनिक कार्यों को सरल करेगी। लेकिन इस परिवर्तन के बीच शिक्षक की मानवीय भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। भविष्य में शिक्षक का मूल्य इस बात से नहीं आँका जाएगा कि वह कितनी जानकारी याद करवा सकता है, बल्कि इस बात से कि वह विद्यार्थी को कितना सोचने, समझने, प्रश्न करने और बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित कर सकता है।

इसलिए शिक्षक को तकनीक से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। तकनीक शिक्षक का विकल्प नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली सहयोगी बन सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षक तकनीक का उपयोग करते हुए अपनी मानवीय संवेदना को और मजबूत करें। शिक्षा में मशीनों की दक्षता और मनुष्य की संवेदना का संतुलन ही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता होगी।

वास्तव में शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं है। वह भविष्य की पीढ़ियों का निर्माता है। वह विद्यार्थियों को केवल यह नहीं बताता कि दुनिया कैसी है, बल्कि उन्हें यह सोचने की क्षमता भी देता है कि दुनिया कैसी होनी चाहिए। यही शिक्षक की सबसे बड़ी शक्ति है। शिक्षक दिवस पर इसलिए हमें केवल शिक्षकों को शुभकामनाएँ नहीं देनी चाहिए, बल्कि उनके दायित्व, सम्मान और सामाजिक महत्व को भी समझना चाहिए। तकनीक बदल सकती है, पाठ्यक्रम बदल सकते हैं, शिक्षण के माध्यम बदल सकते हैं, लेकिन मनुष्य को मनुष्य बनाने की आवश्यकता कभी समाप्त नहीं होगी। क्योंकि मशीनें ज्ञान दे सकती हैं, तकनीक सूचना दे सकती है, लेकिन जीवन को दिशा देने वाला शिक्षक ही होता है। यही शिक्षक की वास्तविक पहचान है और यही आने वाले भविष्य में उसकी सबसे बड़ी प्रासंगिकता भी होगी।

भीड़ में भी अकेले होने की त्रासदी

–डा.रीतू सारस्वत–

अकेलापन केवल इस बात का परिणाम नहीं है कि व्यक्ति के आसपास लोग नहीं हैं, बल्कि तब भी महसूस हो सकता है, जब उसे अपने संबंधों में वह जुड़ाव और आत्मीयता महसूस न हो, जिसकी उसे आवश्यकता है। लंबे समय तक बना रहने वाला यह अकेलापन व्यक्ति की भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। उसकी नींद और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकता है।

हाल ही में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सोशल मीडिया पर अपने कार्यालय का एक अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि रात में काम करते हुए उन्हें वहां एक कॉकरोच दिखाई दिया। उन्होंने स्वयं उसे नहीं मारा और कुछ समय तक वह वहीं रहा। बाद में जब उनके स्टाफ ने उसे हटा दिया, तो उन्होंने लिखाकृ'राहत तो मिली, लेकिन थोड़ा अकेलापन और उदासी भी महसूस हुई।'

'लेकिन थोड़ा अकेलापन और उदासी भी महसूस हुई'कृये वे पंक्तियां हैं, जो मन में हजारों प्रश्नों को जन्म देती हैं। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह कि क्या हम सब कहीं न कहीं बहुत अकेले हैं? आखिर ऐसा क्यों है कि लोगों से भरी इस दुनिया में भी किसी एक की कुछ पलों की मौजूदगी हमारे अकेलेपन को भर देती है और उसकी अनुपस्थिति फिर उसी अकेलेपन का एहसास करा जाती है? क्या मनुष्य के लिए साथ की जरूरत केवल तब होती है, जब वह सचमुच अकेला हो, या भीड़ के बीच भी किसी अपने की उपस्थिति उतनी ही जरूरी होती है?

दरअसल, हम सभी एक बहुत बड़े असत्य को सत्य मान बैठे हैं और वह यह कि जो व्यक्ति प्रभुत्वशाली है, धनी है या फिर जो प्रसिद्ध है, वही इस संसार में सबसे सुखी है। सुख की हमारी यह परिभाषा हमें निरंतर एक ऐसी दौड़ में ले जाती है, जहां हम उपलब्धियों की ऊंचाइयों को ही जीवन की सार्थकता मान बैठे हैं। लेकिन क्या सचमुच जीवन में किसी मुकाम को हासिल कर लेना व्यक्ति को भीतर से वह खुशी, आत्मसंतोष और तृप्ति दे देता है, जिसकी तलाश में वह इस पूरी दौड़ में शामिल होता है?

फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपनी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने के बाद के एक अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि उस उपलब्धि की खुशी के बीच एक क्षण ऐसा आया, जब उनके मन में सवाल उठाकृमें आज रात क्या करूं? किसके घर जाऊं? किसका हाथ थामूं? मुझे खुशी महसूस करने के लिए पीठ पर एक छोटी–सी थपकी की जरूरत थी और मैं उसे चाहता था। उपलब्धि का यह क्षण अपने आप में बताता है कि खुशी का पूरा अर्थ उसे किसी के साथ साझा करने में ही है। अकेलापन केवल इस बात से तय नहीं होता कि हमारे आसपास कितने लोग हैं। असल सवाल यह है कि उन लोगों के बीच हम स्वयं को कितना जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। हमारे जीवन में ऐसे संबंधों की जरूरत होती है, जहां हम अपनी खुशी बांट सकें, अपने दुख को कह सकें और बिना किसी संकोच के अपने मन की बात रख सकें। शायद इसी वजह से भीड़ के बीच भी अकेलेपन का अनुभव उतना ही वास्तविक हो सकता है, जितना बिल्कुल अकेले रहने पर। इसी मानवीय आवश्यकता को अब वैश्विक स्तर पर भी गंभीरता से समझा जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सोशल कनेक्शन पर गठित आयोग की रिपोर्ट 'फ्रॉम लोनलीनेस टू सोशल कनेक्शन रू चार्टिंग अ पाथ टू हेल्दियर सोसाइटीज' बताती है कि सामाजिक अलगाव और अकेलापन व्यापक समस्या बन चुके हैं और उनका प्रभाव व्यक्ति के स्वास्थ्य, कल्याण और समाज पर गंभीर रूप से पड़ रहा है। रिपोर्ट सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए ठोस और व्यापक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले उपायों की आवश्यकता पर जोर देती है।

रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में लगभग हर छह में एक व्यक्ति अकेलेपन का अनुभव करता है और यह समस्या किसी एक उम्र या समाज तक सीमित नहीं है। विशेष रूप से किशोरों और युवाओं में इसका प्रसार अधिक है। रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि मजबूत सामाजिक संबंधा केवल व्यक्ति के सुख और कल्याण के लिए ही नहीं, बल्कि उसके स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा और व्यापक सामाजिक जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। ये तो वे आंकड़े हैं, जो दर्ज किए गए हैं, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं व्यापक है। सच यह है कि हम सभी भीड़ में कहीं न कहीं बहुत अकेले हैं और शायद ही इस दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसने जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अकेलेपन को महसूस न किया हो। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जिस गंभीर प्रश्न पर चिंता व्यक्त की है, उस पर दशकों पूर्व 'द लोनली क्राउड' में सार्थक चर्चा की गई थी।

25 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली, तमंचा और चोरी की बाइक बरामद

संवाददाता—बहराइच। मटेरा थाना क्षेत्र में एक महिला से मंगलसूत्र छीनने के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है। नानपारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की स्वाट टीम ने गुरुवार देर रात करीब 12 बजे मुठभेड़ के बाद उसे पकड़ा। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी। उसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना 1 सितंबर को हुई थी। गंगोत्री नाम की महिला अपने फूफा के घर से लौट रही थीं। गुलालपुरवा टोल प्लाजा के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने उनका मंगलसूत्र छीन लिया और भाग गए। इस मामले में मटेरा थाने में केस दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने घटना का खुलासा करने के लिए तीन टीमें बनाई थीं।

पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक किए। इसमें दो संदिग्ध बदमाशों की पहचान हुई। 2–3 सितंबर की रात स्वाट टीम और मटेरा पुलिस ने एक मुठभेड़ में फुल्ली उर्फ तूफान उर्फ रकीब को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन, उसका साथी असलम उर्फ साहिल उर्फ सुहैल मौके से फरार हो गया था। असलम की गिरफ्तारी पर एसपी ने 25 हजार रुपये का इनाम रखा था।

पुलिस के अनुसार, 3–4 सितंबर की रात नानपारा पुलिस और स्वाट टीम को सूचना मिली। उन्हें बताया गया कि असलम चोरी की मोटरसाइकिल लेकर निबिया नहर पुलिया से रुपईडीहा रोड की तरफ जा रहा है। पुलिस ने चेकिंग शुरू की। जब पुलिस ने संदिग्ध बाइक सवार को रोकने की कोशिश की, तो उसने टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लगी और वह गिर गया।

पुलिस ने घायल बदमाश को हिरासत में लिया और इलाज के लिए सीएचसी नानपारा भेजा। उसके पास से बाइक (न्ड40ठ6651), दो मोबाइल फोन, 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खाली कारतूस मिला। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

करंट लगने से किसान की मौत, तार–प्लास हाथ में मिला

संवाददाता—श्रावस्ती। सोनवा थाना क्षेत्र के परानपुर गांव में एक किसान को बिजली का तार ठीक करना महंगा पड़ गया। शुक्रवार को 4रू00 बजे परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक टुल्लू पंप की बिजली ठीक करते समय करंट लगने से 44 साल के देवता राम की मौत हो गई। इस हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। स्थानीय लोगों के द्वारा कथित तौर पर बताया गया की देवता राम नहाने से पहले घर में लगे टुल्लू पंप की बिजली ठीक कर रहे थे। वे बिजली बोर्ड में प्लास से केबल का तार काट रहे थे। तभी अचानक तार में करंट आ गया और वे उसकी चपेट में आकर बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना के समय घर का दरवाजा अंदर से बंद था। इकलौता बेटा भी घर से बाहर था। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला और आवाज लगाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इस पर उनके चचेरे भाई भरत लाल को कुछ गलत होने की आशंका हुई।

उन्होंने अपने छत के रास्ते घर के अंदर झांककर देखा तो देवता राम बेहोश पड़े थे। उनके हाथ में प्लास और बिजली का केबल तार भी था। इसके बाद घर का दरवाजा खोला गया और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी गई।

सूचना मिलते ही सोनवा पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का जायजा लिया और जरूरी सबूत जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। परिजनों ने बताया कि देवता राम परिवार के इकलौते बेटे थे। वे खेती–किसानी करके परिवार का गुजारा करते थे। उनकी पत्नी पहले ही घर छोड़कर चली गई थी। घर में उनके वृद्ध पिता और 12 साल का इकलौता बेटा रहते हैं। उनकी एक बेटी की शादी हो चुकी है, जो मायके आती–जाती रहती है। देवता राम की अचानक मौत से उनके 12 साल के बेटे के सिर से पिता का साया उठ गया है। परिवार के कमाने वाले सदस्य की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में भी इस घटना के बाद मातम का माहौल है।

गंडक के जलस्तर में गिरावट जारी

संवाददाता—महराजगंज। गंडक नदी के डिस्चार्ज में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। वाल्मीकिनगर बैराज से पानी का प्रवाह कम होने से तटीय व निचले इलाकों के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के मुताबिक बीते दिनों 1.71 लाख व फिर 1.52 लाख क्यूसेक से होते हुए शुक्रवार सुबह आठ बजे गंडक नदी का डिस्चार्ज घटकर 1.29 लाख क्यूसेक दर्ज किया गया था। वहीं शुक्रवार शाम चार बजे बैराज से डिस्चार्ज और घटकर 1 लाख 26 हजार 500 क्यूसेक पर आ गया है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष की रिपोर्ट के अनुसार गंडक बैराज का डेंजर लेवल 109.670 मीटर है। शुक्रवार शाम अपस्ट्रीम का जलस्तर 110.41 मीटर दर्ज किया गया। यह अब भी खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। वहीं डाउनस्ट्रीम का जलस्तर और घटकर 107.20 मीटर पर पहुंच गया है मानसून सत्र के दौरान जिले में बारिश का सिलसिला जारी है। महराजगंज क्षेत्र में 9.5 मिमी ताजा बारिश के साथ अब तक कुल 676.5 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है। वहीं बी–गैप क्षेत्र में 2.8 मिमी बारिश के साथ कुल वर्षा का आंकड़ा 1071.6 मिमी पहुंच गया है। सिंचाई खंड द्वितीय के एक्सईएन राजीव कपिल ने बताया कि सिंचाई विभाग की टीमें पूरी तरह मुस्तैद हैं तथा तटबंधों की सतत निगरानी की जा रही है।

बॉर्डर पर पकड़ी गई 119 बोरी चाइनीज लहसुन की खेप, एक गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के नेपाल सीमा से सटे रेगहिया गांव में शुक्रवार को संयुक्त टीम ने छापेमारी कर 119 बोरी चाइनीज लहसुन बरामद किया है। लहसुन को नेपाल से तस्करी के जरिए लाकर भंडारण किए जाने की सूचना पर यह कार्रवाई की गई है। मौके से एक व्यक्ति को टीम ने गिरफ्तार किया है। सीमा चौकी शीतलापुर के प्रभारी सूरज तिवारी को मुखबिर से सूचना मिली कि सीमा स्तंभ संख्या 501 से करीब 600 मीटर भारत की ओर रेगहिया गांव निवासी एक शख्स के घर में नेपाल से तस्करी के माध्यम से लाया गया लहसुन रखा गया है। सूचना पर एसआई सूरज तिवारी ने एसएसबी झुलनीपुर बीओपी के प्रभारी निरीक्षक शिवपूजन प्रसाद और नायब तहसीलदार पीयूष जायसवाल को जानकारी दी। इसके बाद नायब तहसीलदार के नेतृत्व में एसएसबी, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने सुबह रेगहिया गांव स्थित एक शख्स के घर पर छापेमारी की। इस दौरान 119 बोरी चाइनीज लहसुन बरामद किया गया। कार्रवाई के दौरान गिरजेश सिंह निवासी डिगही को गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद लहसुन को सीज कर इस मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। छापेमारी टीम में लेखपाल मनीष पटेल, भारतेंदु मिश्र, संदीप शर्मा, अक्षय, अजीत, संतोष कुमार गौड़, एसएसबी निरीक्षक शिवपूजन, एसआई रविंद्र कुमार यादव, धर्मेंद्र यादव आदि शामिल रहे।

घाघरा नदी खतरे निशान से 23 सेमी ऊपर,गांवों की तरफ बढ़ रहा बढ़ा पानी

संवाददाता—गोंडा। जिले में घाघरा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। आज शुक्रवार सुबह 10रू30 बजे एल्गिन ब्रिज पर नदी खतरे के निशान से 23 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। नदी का पानी अब धीरे–धीरे गांवों की तरफ बढ़ना शुरू हो गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटे तक जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो गांवों और मुख्य सड़कों पर बाढ़ का पानी भर जाएगा। राजस्व विभाग के अधिकारी तटीय इलाकों के लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दे रहे हैं और उन्हें वहां पहुंचाया भी जा रहा है। तरबगंज और कर्नलगंज तहसील क्षेत्र के करीब 15 गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इन गांवों के ग्रामीण लगातार नदी के जलस्तर पर नजर रखे हुए हैं। हालांकि अभी तक किसी भी गांव या मुख्य सड़क पर पानी नहीं घुसा है, लेकिन पानी गांवों की तरफ बढ़ रहा है। दूसरी तरफ, बाढ़ खंड विभाग नदी के कटान को रोकने का काम कर रहा है, लेकिन इसमें पूरी तरह कामयाब नहीं हो पा रहा है। नदी लगातार जमीनों और फसलों को काटकर अयोध्या की तरफ बहाकर ले जा रही है। आज शुक्रवार सुबह 10रू30 बजे घाघरा नदी में कुल 3,39,450 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसमें गिरजा बैराज से 1,59,570 क्यूसेक, शारदा बैराज से 1,72,114 क्यूसेक और सरयू बैराज से 7,766 क्यूसेक पानी शामिल है। घाघरा नदी का जलस्तर गुरुवार को खतरे के निशान से मात्र 12 सेंटीमीटर ऊपर था लेकिन 24 घंटे के अंदर ही 11 सेंटीमीटर नदी का जलस्तर बढ़ा है। जिला अधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि अभी बाढ़ का पानी किसी गांव में नहीं गया है। लेकिन जो एकदम नदी के किनारे सटे गांव हैं, वहां के लोगों को नदी के जलस्तर बढ़ने के बारे में हमारे राजस्व विभाग की टीम द्वारा जागरूक किया जा रहा है। उन्हें जानकारियां दी जा रही हैं कि सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा जा रहा है।

जमीन दिलाने के नाम पर 1.30 लाख की ठगी, तीन शातिर चोर गिरफ्तार, 1 लाख रुपये और बाइक बरामद

संवाददाता—गोंडा। पुलिस ने जमीन दिलाने का झांसा देकर 1.30 लाख रुपये चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इटियाथोक थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। आरोपियों के पास से 1,00,700 रुपये नकद और घटना में इस्तेमाल की गई ष्टै त्पकमत मोटरसाइकिल मिली है। गिरफ्तार आरोपियों में एक खरगूपुर थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है।

पुलिस के मुताबिक, बैजपुर निवासी कफील अहमद 2 सितंबर को अपनी बहन के ऑपरेशन के लिए गोंडा के एक निजी अस्पताल आए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात मोटे उर्फ सूर्यनारायण पथरकट और शक्ति उर्फ शक्तिराम से हुई। दोनों ने गांधी चबूतरा के पास सस्ते दाम में जमीन दिलाने की बात कहकर कफील का भरोसा जीत लिया।

कफील उनके झांसे में आकर 1.30 लाख रुपये लेकर गांधी चबूतरा पहुंचे। वहां दो अन्य लोग भी उनसे मिले। आरोपियों ने जमीन दिखाने के बहाने कफील को काफी देर तक इधर–उधर घुमाया। जब कफील

पेशाब करने गए, तो आरोपियों ने उनके बैग में रखे 1.30 लाख रुपये निकाल लिए और मोटरसाइकिल से भाग गए। पीड़ित ने आरोपियों को फोन किया, लेकिन सभी के मोबाइल बंद मिले।

कफील की शिकायत के आधार पर इटियाथोक थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। 4 सितंबर को पुलिस टीम ने खरगूपुर रोड पर शनि देव मंदिर के पास बेन्दुली मोड़ से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है। यह गिरोह पैसे कमाने के लिए सीधे–सादे लोगों को सस्ते दाम पर जमीन दिलाने का झांसा देकर फंसाता है। वे धोखाधड़ी और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। आरोपियों ने यह भी बताया कि उन्होंने कफील अहमद से इससे पहले 13 अगस्त को भी 1.50 लाख रुपये लिए थे।

गिरफ्तार आरोपियों में से एक के खिलाफ मारपीट और आर्म्स एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, राध्ेश्याम के खिलाफ बलरामपुर जिले में धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

इस टीम में थानाध्यक्ष गौरव तोमर, उपनिरीक्षक राजेश दूबे, हेड कांस्टेबल इमरान अहमद और हेड कांस्टेबल ध्नंजय यादव शामिल थे।

बीजेपी की क्षेत्रीय कार्यसमिति घोषित होते ही चयन को लेकर उठे सवाल, अम्बुज शाही ने खोला मोर्चा

संवाददाता—देवरिया। भाजपा की नई क्षेत्रीय कार्यसमिति के गठन के साथ ही देवरिया में संगठन के भीतर असंतोष खुलकर सामने आ गया है। क्षेत्रीय कार्यसमिति के सदस्य बनाए गए अम्बुज शाही ने अपने ही संगठन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए दायित्व से मुक्त किए जाने की मांग कर दी है। क्षेत्रीय अध्यक्ष को भेजे पत्र में उन्होंने वरिष्ठ और अनुभवी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, कनिष्ठों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने तथा जातीय और क्षेत्रीय संतुलन की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनके पत्र की यह पंक्ति 'मेरी जाति और मेरा समर्पण ही मेरे लिए बाधक है' संगठन के भीतर उनके असंतोष की तीव्रता को बयां कर रही है। पथरदेवा विधानसभा क्षेत्र के द्वारिका गांव निवासी अम्बुज शाही ने अपने पत्र में कृषि मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही पर भी संगठनात्मक स्तर पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि लंबे सामाजिक–राजनीतिक अनुभव और संगठन के प्रति निरंतर समर्पण के बावजूद उन्हें उनकी क्षमता के अनुरूप जिम्मेदारी नहीं दी गई। उन्होंने यहां तक लिखा है कि उनके पास कोई 'जातीय पितामह' नहीं है, जिसका उन्हें दुख है। अम्बुज शाही ने अपने

राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर में छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। इसके बाद तरकुलवा क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए। वर्तमान में वह जिला सहकारी संघ लिमिटेड, देवरिया के निर्विरोध संचालक हैं। विधानसभा, लोकसभा, पंचायत और एमएलसी चुनावों में पार्टी के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभाने का भी उन्होंने उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि इतने लंबे अनुभव के बावजूद उनसे कनिष्ठ और कम अनुभवी लोगों को जिम्मेदारियां दी गईं। वर्तमान क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य के दायित्व को उन्होंने अपने अनुभव की दृष्टि से 'अप्रासंगिक और अव्यावहारिक' बताया है। उन्होंने क्षेत्रीय अध्यक्ष से कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से पुनर्विचार कर यह जिम्मेदारी किसी योग्य, कर्मठ, ईमानदार और वरिष्ठ कार्यकर्ता को सौंपने का आग्रह किया है। अम्बुज शाही ने साफ किया है कि दायित्व से मुक्त किए जाने के बाद भी उनकी भाजपा के प्रति निष्ठा बनी रहेगी और वह सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में संगठन के लिए काम करते रहेंगे। पत्र के अंत में उन्होंने क्षेत्रीय कार्यसमिति में स्थान देने के लिए क्षेत्रीय अध्यक्ष और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के प्रति आभार भी जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की स्वीकृति के बाद गुरुवार को घोषित 39 सदस्यीय क्षेत्रीय टीम में देवरिया के तीन नेताओं को स्थान मिला है। हरिचरण कुशवाहा को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सज्जन मणि त्रिपाठी और अम्बुज शाही 'भइयाजी' को क्षेत्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है।

प्राथमिक स्कूल में मिला युवक का शव

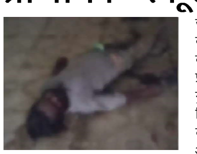

संवाददाता—गोंडा। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे बच्चों ने स्कूल की क्लास में युवक का शव पड़ा देखा। उन्होंने तुरंत अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों की सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस और मिश्रौलिया चौकी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को भी बुलाया। युवक की उम्र करीब 35 साल बताई जा रही है। उसके हाथ पर 'ललित कुमार' लिखा हुआ था। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के जानकी नगर स्थित प्राथमिक विद्यालय का है। पुलिस के मुताबिक, युवक के नाक से खून निकला हुआ था। मौके पर पहुंची टीम ने स्कूल के कमरे की जांच की और आसपास के लोगों से जानकारी ली। स्थानीय लोगों की मौजूदगी में पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को कब्जे में लिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। युवक की पहचान और उसके पते की जानकारी जुटाने के लिए नगर कोतवाली पुलिस सोशल मीडिया की मदद ले रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ललित कुमार कहां का रहने वाला था और वह स्कूल परिसर में कैसे पहुंचा। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने कमरे और आसपास से कई साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। फिलहाल युवक की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मिश्रौलिया चौकी प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों से स्कूल के एक कमरे में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर युवक मृत मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

टेंपो की चपेट में आने से युवक घायल

संवाददाता—महराजगंज। कटहरा खास रोड पर शुक्रवार को एक सड़क हादसे में पैदल जा रहे युवक जीतन पासवान (पुत्र चंदर) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सामने से आ रहे एक टेंपो ने जोरदार टक्कर मार दी।

हादसा ग्राम सभा कटहरा खास के रोड पर हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि जीतन पासवान सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल जीतन पासवान को तुरंत महराजगंज जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जिला अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में जीतन पासवान का इलाज किया जा रहा है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलने के बाद परिजन भी अस्पताल पहुंच गए हैं।

स्थानीय लोगों ने सड़क पर वाहनों की तेज रफ्तार पर चिंता जताई है। उन्होंने वाहन चालकों से सावधानी से गाड़ी चलाने की अपील की है।

नेपाल के पोखरा में हुआ सड़क हादसा, दो भारतीयों की मौत

संवाददाता—महराजगंज। नेपाल के पोखरा में शुक्रवार को हुए एक सड़क हादसे में दो भारतीयों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सेदी से लेकसाइड की ओर आ रही एक भारतीय नंबर की कार का चालक नियंत्रण खो दिया और कार पोखरा 18 के गैरी चौतारा स्थित फेवा झील में गिर गई। पुलिस निरीक्षक दीपक प्रसाद रिजाल के अनुसार मृतकों में बिहार प्रांत के पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल निवासी 26 वर्षीय नवदीप कुमार यादव और एक अन्य अज्ञात भारतीय व्यक्ति शामिल है। पुलिस इंस्पेक्टर रिजाल ने बताया कि बचाव दल ने उन्हें फेवा झील के पानी से बेहोशी की हालत में बाहर निकाला और इलाज के लिए पोखरा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज वेस्टर्न रीजनल हॉस्पिटल भेजा।

लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना के बाद बचाए गए रक्सौल निवासी 27 वर्षीय अनमोल कुमार यादव और 33 वर्षीय सूरज यादव को इलाज के लिए गंडकी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बैदम वार्ड पुलिस कार्यालय से पुलिस उपाधीक्षक सूर्य बहादुर बोगती के नेतृत्व में 15 सदस्यीय पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा। बचाव अभियान के लिए सशस्त्र पुलिस बल नेपाल की 24 हक्तर कालिका बटालियन से निरीक्षक शरण खड़का के नेतृत्व में 13 सदस्यीय दल को भी तैनात किया गया था। कार को क्रेन से झील से बाहर निकाला गया।

इलाज के दौरान मरीज की मौत की जांच शुरू, टीम ने की पड़ताल

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा कस्बे के खनुआ चौराहे निकट स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान शख्स की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मृतक के परिजनों के आरोपों के बाद सुर्खियों में आया निजी अस्पताल पर प्रशासन का शिकंजा अब कसता जा रहा है। जिला प्रशासन के निर्देश पर गठित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को अस्पताल में पहुंचकर जांच–पड़ताल करते हुए स्थानीय जिम्मेदारों से पूछताछ की। जांच टीम को अस्पताल में मौजूद मेडिकल स्टोर का वैध दस्तावेज भी नहीं मिला, जबकि अस्पताल के अंदर संचालित पैथोलॉजी लैब भी जगह पर नहीं मिलने की बात कही जा रही है।

अस्पताल को संचालित करने वाले डॉक्टर सिद्धार्थनगर के सरकारी अस्पताल में तैनात बताए गए। कस्बे के मधुबन नगर निवासी विनोद की तबीयत खराब होने पर मंगलवार की शाम कस्बे के इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां कुछ ही घंटे में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। देखते ही देखते परिजनों के साथ अन्य लोगों की भारी भीड़ अस्पताल पर इकट्ठा हो गई और अस्पताल के बाहर हंगामा शुरू हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले को संभाला और किसी तरह परिजनों को शांत कराया था। मृतक के पिता ओमप्रकाश एवं अन्य परिजन देर रात तक यही आरोप लगाते रहे कि डॉक्टर द्वारा लापरवाही पूर्वक इलाज किया गया है। इससे उसके बेटे की मौत हुई है। हालांकि आधी रात होते–होते मामला परिजन कार्रवाई से मना कर दिए, लेकिन अस्पताल सुर्खियों में आ गया। मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा तो मामले की जांच के लिए टीम गठित कर दिया गया। जांच टीम में शामिल नोडल अध्किारी निजी अस्पताल डॉ. वीरेंद्र आर्या, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नीरल लाल कन्नौजिया ने बताया कि मेडिकल स्टोर का रजिस्ट्रेशन नहीं मिला है। इसको लेकर कार्रवाई के लिए डीआई को लिखा जाएगा। सिद्धार्थनगर में तैनात डॉक्टर द्वारा यहां अस्पताल चलाने को लेकर सिद्धार्थनगर सीएमओ को रिपोर्ट दी जाएगी। मामले में जरूरी कार्रवाई होगी।

जमीन विवाद में दो पक्षों में मारपीट, दो महिलाएं घायल

संवाददाता—बहराइच। मोतीपुर थाना क्षेत्र में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच लाठी–डंडों से मारपीट हो गई। यह घटना बल्हा ब्लॉक की मिहींपुरवा तहसील के वेलहन महेशपुर गांव में हुई। मारपीट के दौरान दो महिलाएं घायल हो गईं, जिससे गांव में तनाव फैल गया। गांव वालों के मुताबिक, जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते शुक्रवार को दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए। देखते ही देखते बात बढ़ गई और दोनों तरफ से लाठी–डंडे चलने लगे। मारपीट में करीब 16 साल की रिया और 45 साल की मारा नाम की दो महिलाएं घायल हो गईं। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों की मदद से दोनों घायल महिलाओं को निजी वाहन से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। उनकी हालत के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हालात संभाले। पुलिस ने दोनों पक्षों से घटना के संबंध में जानकारी ली और मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कार्रवाई की। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जमीन से जुड़े इस विवाद को समय रहते नहीं सुलझाया गया तो भविष्य में मामला और बढ़ सकता है। गांव वालों ने पुलिस–प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर विवाद सुलझाने की मांग की है, ताकि गांव में दोबारा ऐसी घटना न हो। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायलों के इलाज और दोनों पक्षों की ओर से दी जाने वाली शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल त्रासदी में लापता कुशीनगर के अमन की चितवन में मिली लाश, टैटू से हुई शिनाख्त

संवाददाता—कुशीनगर। नेपाल में 26 अगस्त को आई जलप्रलय के बाद लापता हुए कुशीनगर के युवक अमन गौंड की तलाश आखिरकार खत्म हो गई है। नेपाल के चितवन में मिले शव की पहचान अमन के रूप में हुई है। शव कई दिनों तक पानी और मिट्टी में पड़े रहने के कारण काफी खराब हो चुका है। ऐसे में चेहरे से पहचान संभव नहीं होने पर अमन के दायें हाथ की कलाई पर बने अंग्रेजी के एजी टैटू ने उसकी पहचान पक्की कर दी। पिता सेतभान और बड़े भाई दीपक ने टैटू देखकर शव की शिनाख्त की। शव की पहचान होने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सुधियानी गांव निवासी अमन गौंड पुत्र सेतभान नेपाल के त्रिशूली क्षेत्र स्थित एक पावर प्लांट में काम करता था। 26 अगस्त को नेपाल में आई भीषण बाढ़ और जलप्रलय के बाद वह अचानक लापता हो गया था। घटना के बाद से ही परिवार के लोग लगातार उसके संपर्क में आने की उम्मीद लगाए बैठे थे। मोबाइल पर संपर्क नहीं होने से परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही थी। परिवार के साथ गांव के लोग भी अमन के सकुशल लौटने की प्रार्थना कर रहे थे।

सूचना मिलते ही अमन के पिता सेतभान और बड़े भाई दीपक निजी वाहन से नेपाल के चितवन के लिए रवाना हो गए। उनके साथ लापता चल रहे दूसरे युवक पंकज राजभर के पिता डोमई राजभर भी नेपाल गए। परिवार के कुछ सदस्यों और महिलाओं को तत्काल पूरी जानकारी नहीं दी गई ताकि अचानक मिली इस खबर से घर में कोहराम न मचे और परिजनों को संभलने का मौका मिल सके। चितवन पहुंचने के बाद परिजनों को शव दिखाया गया। कई दिनों तक जमीन और पानी के बीच पड़े रहने के कारण शव काफी खराब हो चुका था। चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। ऐसे में परिजनों ने शरीर पर मौजूद पहचान के दूसरे निशानों को देखा। इसी दौरान अमन के दायें हाथ की कलाई पर अंग्रेजी में बना एजी टैटू दिखाई दिया। दीपक ने बताया कि अमन ने अपनी कलाई पर एजी गुदवा रखा था। इसी निशान के आधार पर पिता सेतभान और भाई दीपक ने शव की पहचान अमन के रूप में की।

अमन के लापता होने के बाद से परिवार नौ दिनों से उसके लौटने की उम्मीद लगाए बैठा था। हर फोन कॉल पर परिजनों को उसके सकुशल होने की उम्मीद होती थी। लेकिन शुक्रवार को शव मिलने और पहचान होने की सूचना ने इस उम्मीद को हमेशा के लिए खत्म कर दिया। परिवार के लोगों का कहना है कि अमन के शव को गांव लाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। शनिवार की सुबह तक शव के सुधियानी पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही थी। अमन की मौत की खबर से गांव में भी मातम का माहौल है। जिन लोगों के साथ अमन रोजमर्रा की जिंदगी साझा करता था, वे भी इस खबर से स्तब्ध हैं।

राजेन्द्र पाण्डेय बने भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, माधव प्रसाद त्रिपाठी चौक पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से किया जोरदार अभिनन्दन

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गोरखपुर क्षेत्र का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनने के बाद राजेंद्र पांडेय शुक्रवार को बांसी पहुंचे। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। बांसी के माधव प्रसाद त्रिपाठी चौक पर हुए स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता जुटे और फूल-मालाओं से राजेंद्र पांडेय का अभिनंदन किया।

स्वागत समारोह के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य और समाज सेविका पूजा पाल सहित कई जिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राजेंद्र पांडेय को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया और पार्टी संगठन को मजबूत करने में उनके योगदान की सराहना की।

इस मौके पर राजेंद्र पांडेय ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो नई जिम्मेदारी दी है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने लगातार मिल रहे स्नेह और कार्यकर्ताओं के उत्साह पर खुशी जताई। पांडेय ने भरोसा दिलाया कि वे संगठन के विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करेंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि राजेंद्र पांडेय के अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण का फायदा पार्टी को मिलेगा। उनके क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनने से कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है और संगठन को और मजबूती मिलेगी।

इस स्वागत कार्यक्रम में जिला महामंत्री फतेह बहादुर सिंह, रामकुमार कुंवर, फूलचंद जायसवाल, आशीष शुक्ला, विपिन सिंह, अजय उपाध्याय, बजरंगी वर्मा, पवन मिश्रा, रमेश मणि त्रिपाठी, उमेश साहू, अमरनाथ सिंह, जयंती पांडेय, सच्चिदानंद पांडेय, केशभान राय, शिवेंद्र द्विवेदी, जितेंद्र भट्ट, अमरेंद्र पाल, अर्चीष्मान मिश्रा, राजू पाल, प्रिंस पाल, नितेश सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

पटाखा दुकानों और गोदामों की जांच, उल्लंघन पर कार्रवाई

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। दीपावली और आने वाले त्योहारों को देखते हुए शुक्रवार दोपहर बाद आतिशबाजी की दुकानों और गोदामों का सघन निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई का उद्देश्य जनसुरक्षा सुनिश्चित करना और आग व विस्फोट की संभावित घटनाओं को रोकना था। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन मिलने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

संबंधित उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) ने अपने-अपने क्षेत्रों में लाइसेंसधारकों की दुकानों, गोदामों और भंडारण स्थलों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान यह जांच की गई कि आतिशबाजी की बिक्री और भंडारण में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आतिशबाजी के लाइसेंस की वैधता की जांच की। साथ ही यह भी देखा गया कि लाइसेंस में दर्ज निर्धारित स्थल पर ही आतिशबाजी का भंडारण किया जा रहा है या नहीं। अधिकारियों ने स्वीकृत मात्रा के अनुसार स्टॉक और भंडारण व्यवस्था का भी बारीकी से जायजा लिया। सुरक्षा के लिए जरूरी इंतजामों की स्थिति भी देखी गई। अधिकारियों ने लाइसेंस की शर्तों और प्रचलित विस्फोटक संबंधी नियमों के पालन की भी जांच की। उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि लाइसेंस में स्वीकृत मात्रा से अधिक आतिशबाजी का स्टॉक मिलता है या निर्धारित स्थल से अलग जगह पर भंडारण पाया जाता है, तो तत्काल कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनसुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतिशबाजी के अवैध भंडारण, अनधिकृत बिक्री और सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण अभियान का उद्देश्य त्योहारों के दौरान आग और विस्फोट जैसी किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बाढ़ से 50 अरब का नुकसान, तबाही के बीच अब नेपाल सरकार ने पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर दिया बड़ा अपडेट

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। नेपाल में भोटेकोशी-त्रिशूली नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने जनजीवन के साथ पर्यटन गतिविधियों को भी बड़ा झटका दिया है। कई मार्ग और पर्यटन ढांचा प्रभावित होने से पर्यटकों में नेपाल यात्रा को लेकर आशंका पैदा हुई है। ऐसे समय में नेपाल सरकार और पर्यटन से जुड़े संस्थान सुरक्षित धार्मिक और पर्यटन स्थलों की जानकारी साझा कर पर्यटकों का भरोसा बनाए रखने में जुटे हैं। लुंबिनी से लेकर काठमांडू के दक्षिण स्थित ऐतिहासिक पाटन तक के सुरक्षित होने की जानकारी इंटरनेट माध्यम से दी जा रही है।

भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी को पूरी तरह सुरक्षित बताते हुए लुंबिनी विकास कोष ने हाल में जानकारी जारी की थी। कोष के अनुसार भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ का लुंबिनी और वृहत्तर लुंबिनी क्षेत्र पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। यहां पर्यटकों और तीर्थयात्रियों का आवागमन सामान्य है तथा पर्यटन गतिविधियां नियमित रूप से चल रही हैं।

कपिलवस्तु, देवदह और रामग्राम जैसे प्रमुख बौद्ध स्थलों को भी सुरक्षित बताया गया है। इसी क्रम में नेपाल पुलिस भी सुरक्षित धार्मिक और पर्यटन स्थलों की तस्वीरें व जानकारी इंटरनेट माध्यम पर साझा कर रही है। शुक्रवार को नेपाल पुलिस ने काठमांडू के दक्षिण स्थित पाटन के प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर की तस्वीरें साझा करते हुए इसे पर्यटकों के लिए सुरक्षित बताया। जन्माष्टमी पर यहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। 17वीं शताब्दी में राजा सिद्धि नरसिंह मल्ल द्वारा निर्मित कृष्ण मंदिर पाटन दरबार क्षेत्र की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल है।

सुरक्षित पर्यटन स्थलों का संदेश देने की जरूरत इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि आपदा का पर्यटन क्षेत्र पर सीधा असर पड़ा है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री खड्क राज पौडेल के अनुसार, भोटेकोशी बाढ़ से पर्यटन क्षेत्र को प्रारंभिक अनुमान में 50 अरब नेपाली रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। बाढ़ से 142 होटल, 57 रेस्तरां और पर्यटन कारोबार से जुड़े 141 वाहन प्रभावित हुए हैं। कई महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों को भी नुकसान पहुंचा है। आपदा का असर पर्यटकों की संख्या में भी दिखने लगा है। नेपाली समाचार माध्यम आनलाइनखबर के अनुसार अगस्त 2026 में नेपाल आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या 85444 रही, जो पिछले वर्ष के अगस्त की तुलना में 3.6 प्रतिशत कम है। बाढ़ के बाद कैलाश-मानसरोवर और गोसाईंकुंड जाने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटक भी प्रभावित हुए। नेपाल के लिए पर्यटन महज घूमने-फिरने का माध्यम नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद के अनुसार वर्ष 2023 में यात्रा एवं पर्यटन का प्रत्यक्ष योगदान नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद में 2.1 प्रतिशत था, जबकि प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष और प्रेरित प्रभाव मिलाकर कुल योगदान 6.1 प्रतिशत रहा था।

वहीं नेपाल के पर्यटन आंकड़ों के अनुसार 2025 में कुल विदेशी आगमन में तीर्थाटन की हिस्सेदारी 14.4 प्रतिशत थी। ऐसे में लुंबिनी और पाटन जैसे सुरक्षित स्थलों की जानकारी साझा करना केवल पर्यटकों को आश्वस्त करने की कवायद नहीं, बल्कि आपदा से प्रभावित पर्यटन कारोबार को संभालने और नेपाल के सुरक्षित हिस्सों के प्रति भरोसा बनाए रखने की कोशिश भी मानी जा रही है।

मगहर—कटसहरा मार्ग पर बड़े वाहनों का आवागमन बंद

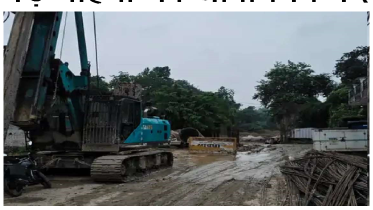

संवाददाता—संतकबीरनगर। सेतु निगम ने मगहर-कटसहरा मार्ग पर सूती मिल समपार फाटक से भारी वाहनों के आवागमन पर गुरुवार से रोक लगा दी है। ओवरब्रिज निर्माण के चलते सूती मिल चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया है। हालांकि, छोटे वाहनों को आवागमन की अनुमति है, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली है।

मगहर-कटसहरा मार्ग संतकबीरनगर और गोरखपुर जिलों को जोड़ने वाला एक मुख्य रास्ता है। इस मार्ग से दोनों जिलों के दर्जनों गांवों के लोग रोज आते-जाते हैं। बड़े वाहन इस सड़क से वाराणसी और प्रयागराज तक जाते हैं।

सूती मिल रेलवे समपार फाटक पर ओवरब्रिज बनाने का काम चल रहा है। इसी वजह से सेतु निगम ने मार्ग को बैरिकेडिंग लगाकर बंद किया है। बड़े वाहनों के चालकों को अब खलीलाबाद के मंझरिया या सहजनवा क्षेत्र के भीटी रावत होकर वैकल्पिक मार्ग से जाना पड़ रहा है। इससे उनकी दूरी और समय दोनों बढ़ गए हैं।

छोटे वाहन चालकों को रसूलपुर रेलवे फाटक या काजीपुर चौराहे से दक्षिण की ओर स्थित रेलवे पुलिया होकर अपने ठिकाने तक जाना पड़ रहा है। गौरव निषाद, अब्दुर्रहमान खां और अमन कन्नौजिया जैसे लोगों ने शिकायत की है।

उनका कहना है कि यातायात पुलिस की बैरिकेडिंग और बैनर पर वैकल्पिक मार्ग की साफ जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहली बार इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को बहुत दिक्कत हो रही है। लोगों ने मांग की है कि बैरिकेडिंग वाली जगह पर वैकल्पिक मार्ग की जानकारी देने वाला स्पष्ट संकेतक लगाया जाए।

पुलिस अधिकारी मूंछ पर दे रहे ताव, भाजपा एजेंट बनकर समाजवादी नेताओं को फंसा रहे –ब्रजेश कुमार

संवाददाता—गोरखपुर। समाजवादी पार्टी की बैठक के दौरान सियासी माहौल उस वक्त गरमा गया, जब जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी मूंछ पर ताव दे रहे हैं और कुछ सरकारी कर्मचारी भाजपा के एजेंट बनकर सपा नेताओं को फंसाने का काम कर रहे हैं। बेतियाहाता स्थित पार्टी कार्यालय में हुई इस बैठक में इन मुद्दों को लेकर तीखी चर्चा हुई और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संघर्ष के लिए तैयार रहने का संदेश दिया गया।

इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव रामनाथ यादव ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिससे कार्यक्रम में खासा उत्साह देखने को मिला। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका संगठन है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने और संगठन को और मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उठाना ही पार्टी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

ब्रजेश कुमार गौतम ने प्रदेश सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उनके इशारे पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय और उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन का एक वर्ग पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाते हुए सपा नेताओं को द्वेष भावना से फंसाने का काम कर रहा है।

बैठक में हाल ही में एक पुलिस अधिकारी के मूंछ पर ताव देते हुए वायरल वीडियो का जिक्र भी हुआ। जिलाध्यक्ष ने इसे प्रशासनिक मानसिकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों से कानून व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं –आम जनता का भरोसा कमजोर होता है।

जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठित रहें और अन्याय के खिलाफ हर स्तर पर लड़ाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा लोकतांत्रिक तरीके से जनता की आवाज उठाती रही है और आगे भी मजबूती से यह लड़ाई जारी रखेगी।

बैठक में जिला महासचिव रामनाथ यादव, डॉ. मोहसिन खान, अवधेश यादव, प्रहलाद यादव, यशपाल रावत, रुपावती बेलदार, डॉ. संजय कुमार, अमरेन्द्र निषाद, विद्यासागर उर्फ छोटू, मिर्जा कदीर बेग, राजेश भारती समेत सैकड़ों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गरज—चमक के साथ झमाझम बारिश

संवाददाता—गोरखपुर। शुक्रवार को दोपहर करीब 3 बजे मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से छाए घने काले बादलों के बाद तेज गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ चली ठंडी और तेज हवाओं ने माहौल को और भी असरदार बना दिया। हवा के तेज झोंकों से पेड़-पौधे झुकते और झूमते नजर आए। आसमान में लगातार बिजली चमकती रही और तेज गरज की आवाज ने माहौल को पूरी तरह बदल दिया, जिससे लोगों को राहत देखने को मिली। तेज बारिश और हवाओं के कारण तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई। पिछले कई दिनों से जारी चिपचिपी गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत मिली। मौसम अचानक ठंडा और सुहावना हो गया। अचानक हुई इस तेज बारिश का असर शहर की रफ्तार पर भी पड़ा। कई जगहों पर सड़कों पर पानी भर गया, जिससे वाहनों की गति धीमी हो गई। लोग दुकानों, छज्जों और बस स्टॉप के नीचे खड़े होकर बारिश थमने का इंतजार करते दिखे। मौसम विभाग के अनुसार, यह बदलाव मानसून की सक्रियता का संकेत है और आने वाले घंटों में भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। लोगों को सलाह दी गई है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें, खासकर बिजली गिरने और तेज हवाओं के समय खुले स्थानों से दूर रहें।

स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट, जिला अस्पताल में बनाया गया 10 बेड का वार्ड, विशेष डॉक्टरों की तैनाती

संवाददाता—संतकबीरनगर। प्रदेश में स्वाइन फ्लू से पहली मौत के बाद संतकबीरनगर में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। त्योहारों के मद्देनजर संतकबीरनगर में भी गांव से लेकर शहर तक निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रदेश में अब तक 685 से अधिक मामले सामने आने और एक मरीज की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जिले में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। राहत की बात यह है कि संतकबीरनगर में अभी तक स्वाइन फ्लू का एक भी मामला सामने नहीं आया है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने एहतियात के तौर पर अस्पतालों में जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं।

खलीलाबाद स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए 10 बेड का अलग वार्ड तैयार किया गया है। वार्ड में जरूरी सुविधाओं के साथ डॉक्टरों की तैनाती की गई है। सीएमएस डॉ. रमाशंकर ने बताया कि स्वाइन फ्लू से निपटने के लिए अस्पताल में सभी जरूरी तैयारियां पूरी हैं। पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध हैं और डॉक्टरों को जिम्मेदारियां भी सौंप दी गई हैं। उन्होंने स्वाइन फ्लू वार्ड का निरीक्षण कर साफ-सफाई और व्यवस्थाएं बेहतर रखने के निर्देश दिए। शासन की ओर से स्वाइन फ्लू से जुड़े मामलों की जानकारी आईएचआईपी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे बीमारी से संबंधित आंकड़ों की ऑनलाइन निगरानी की जा सकेगी और प्रदेश में संक्रमण की स्थिति पर नजर रखना आसान होगा। डॉक्टर श्वेतांक सिंह ने बताया कि अगर किसी व्यक्ति को जुकाम, खांसी या बुखार तीन दिन से ज्यादा समय तक रहता है तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। डॉ. आईडी गौरव ने लोगों से अपील की कि ऐसे लक्षण दिखाई देने पर खुद को दूसरों से अलग रखें और डॉक्टर की सलाह लें।

स्वाइन फ्लू में आमतौर पर बुखार, मांसपेशियों में दर्द, आंखों का लाल होना, नाक बहना, गले में खराश, ठंड लगना, पसीना आना, आंखों में दर्द, थकान और कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। कुछ मरीजों में दस्त, पेट दर्द और उल्टी की शिकायत भी हो सकती है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने और लक्षण दिखने पर समय से चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है। साथ ही अधिकारियों ने लोगों से बेवजह घबराने के बजाय सतर्क रहने की सलाह दी है।

अब काफी सस्ते दर पर मिलेगा सार्वजनिक सरोकारों का भव्य मंच, प्रेक्षागृह के किराए में भारी कटौती

संवाददाता—गोरखपुर। विकास प्राधिकरण ने योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र को सार्वजनिक सरोकारों के लिए आर्थिक रूप से अनुकूल बना दिया है। प्राधिकरण ने, प्रेक्षागृह के किराए में भारी कटौती कर इसे और जनसुलभ बना दिया है। बड़े प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) के किराए में दो तिहाई से अधिक और छोटे ऑडिटोरियम के किराए में तीन चौथाई से अधिक की अभूतपूर्व कमी की गई है। इससे अब लोगों, विभिन्न संगठनों को सार्वजनिक सरोकारों का भव्य मंच काफी सस्ते दर पर मिल जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर महानगर को जितनी भी सौगातें दी हैं, उनमें रामगढ़ताल क्षेत्र के सुरम्य वातावरण में सांस्कृतिक, सामाजिक और अन्य आयोजनों को व्यवस्थित मंच देने के उद्देश्य से बनवाया गया योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र भी प्रमुखता से शामिल है। करीब 52 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस ऑडिटोरियम का लोकार्पण सीएम योगी ने 21 मार्च 2021 को किया था। इस सांस्कृतिक केंद्र में अलग अलग क्षमता के दो ऑडिटोरियम हैं। बड़े ऑडिटोरियम में दो तल हैं, भव्य मंच के अलावा इसकी कुल क्षमता 1012 लोगों के बैठने की है। जबकि छोटे ऑडिटोरियम की क्षमता 275 लोगों की है। जीडीए की तरफ से पहले बड़े ऑडिटोरियम की बुकिंग (स्थिर विद्युत व्यय और जीएसटी सहित) 413000 रुपये के किराए पर की जाती थी। इसी तरह छोटा ऑडिटोरियम बुक कराने वाले को 129800 रुपया किराया देना पड़ता था। जीडीए के उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल के अनुसार प्रेक्षागृह के किराए को लेकर गत दिनों हुई बोर्ड की बैठक में जनहित में बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जीडीए बोर्ड ने किराए में भारी संशोधन प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। लिए गए निर्णय के अनुसार अब योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र के बड़े ऑडिटोरियम की बुकिंग 129800 रुपये और छोटे ऑडिटोरियम की बुकिंग 47200 रुपये में होगी। इसमें विद्युत व्यय और जीएसटी के मद में ली जाने वाली धनराशि भी शामिल होगी। यही नहीं, अब बड़े ऑडिटोरियम की बुकिंग के लिए जमानत अग्रिम राशि भी 200000 से घटाकर 50000 और छोटे ऑडिटोरियम की 100000 से कम कर 20000 रुपये कर दी गई है।

जीडीए उपाध्यक्ष का कहना है कि दोनों तरह के ऑडिटोरियम के किराए में भारी कमी से अब इसके बुकिंग की संख्या बढ़ेगी। इससे आमजन और विभिन्न संगठनों को उनके कार्यक्रम आयोजन में आर्थिक रूप से बड़ी सहूलियत मिलेगी। साथ ही, बुकिंग संख्या बढ़ने से जीडीए पर प्रेक्षागृह के अनुरक्षण पर पड़ने वाले व्यय भार में भी राहत मिल जाएगी। अब प्रेक्षागृह के प्रथम तल के दो हाल भी होंगे आवंटितजीडीए उपाध्यक्ष के अनुसार योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र के प्रथम तल पर दो हाल भी निर्मित हैं। पर, अभी तक इनका किराए पर आवंटन नहीं होता था। अब इन हाल की भी बुकिंग की जाएगी। दोनों हाल में से प्रत्येक की बुकिंग 29500 रुपये (स्थिर विद्युत व्यय एवं जीएसटी सहित) की दर से की जाएगी। जबकि प्रेक्षागृह परिसर के लॉन की बुकिंग के लिए 17700 रुपये का किराया तय किया गया है।

तहसीलदार समेत 5 सस्पेंड, राजस्व परिषद कमिश्नर ने समीक्षा में 2 हजार पेंडिंग केस देख लिया एक्शन

संवाददाता—संतकबीरनगर। राजस्व परिषद ने राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों के निपटारे में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की है। परिषद की आयुक्त और सचिव कंचन वर्मा ने खलीलाबाद के तहसीलदार आनंद कुमार ओझा समेत पांच अधिकारियों को तुरंत निलंबित कर दिया। इन सभी निलंबित अधिकारियों को अलग-अलग मंडलायुक्त कार्यालयों से जोड़ा गया है।

राजस्व परिषद राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की ऑनलाइन समीक्षा कर रही थी। इस समीक्षा में खलीलाबाद तहसीलदार आनंद कुमार ओझा के न्यायालय में बड़ी संख्या में राजस्व वाद लंबित मिले। बताया गया कि उनके न्यायालय में करीब दो हजार से ज्यादा मामलों का निपटारा नहीं हो पाया था। इन लंबित मामलों को परिषद ने गंभीरता से लिया और निलंबन की कार्रवाई की।

निलंबन के बाद तहसीलदार आनंद कुमार ओझा को बस्ती के मंडलायुक्त कार्यालय से संबद्ध किया गया है। खलीलाबाद तहसील के अधिकारियों का कहना है कि वकीलों की हड़ताल के कारण राजस्व न्यायालयों में सुनवाई पर असर पड़ा। इसी वजह से बड़ी संख्या में मामले लंबित हो गए थे।

एडीएम न्यायिक चंद्रेश कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई शासन स्तर से हुई है। उनके मुताबिक, कार्रवाई में लंबित मामलों की संख्या का कोई जिक्र नहीं किया गया है। राजस्व परिषद की इस कार्रवाई से अधिकारियों में हड़कंप है और वे लंबित मामलों को जल्द निपटाने पर जोर दे रहे हैं। राजस्व परिषद की आयुक्त और सचिव कंचन वर्मा के अनुसार, निलंबित अधिकारियों में तत्कालीन प्रभारी तहसीलदार पट्टी और वर्तमान में प्रयागराज में तैनात तहसीलदार पवन कुमार सिंह, बलिया के तहसीलदार अतुल हर्ष, तत्कालीन नायब तहसीलदार धनघटा और वर्तमान में गोंडा में तैनात तहसीलदार हरेराम यादव, संतकबीरनगर की खलीलाबाद तहसील के तहसीलदार आनंद कुमार ओझा और लखनऊ की सरोजनीनगर तहसील में तैनात नायब तहसीलदार विवेक कुमार सिंह शामिल हैं।

सीओ मेंहदावल ने पटाखा फैक्ट्री का किया निरीक्षण, सुरक्षा उपकरणों को चलवाकर व्यवस्था परखी, दिए कड़े निर्देश

सीओ मेंहदावल और थानाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी के नेतृत्व में हुई

संवाददाता—संतकबीरनगर। बखिरा थाना क्षेत्र में स्थित पटाखा फैक्ट्री और निर्माण स्थल का शुक्रवार को सीओ मेंहदावल ने निरीक्षण किया। उनके साथ थानाध्यक्ष बखिरा उमाशंकर त्रिपाठी, चौकी प्रभारी ददन राय और पुलिस बल मौजूद था। इस दौरान पटाखा निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कई बिंदुओं पर बारीकी से जांच की गई।

पुलिस अधिकारियों ने पटाखा बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, सुरक्षा व्यवस्था, आग बुझाने वाले उपकरण और दूसरे जरूरी सामान देखे। उन्होंने फैक्ट्री चलाने से जुड़े लाइसेंस, अनुमति पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेजों की भी जांच की। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद सुरक्षा उपकरणों को चलवाकर उनकी काम करने की क्षमता भी परखी।

निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री संचालक को पटाखा बनाने के दौरान तय सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने साफ किया कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी जरूरी सुरक्षा उपकरणों को ठीक हालत में रखने और तय नियमों के हिसाब से ही पटाखा बनाने का काम करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधिकारियों ने संचालक को यह भी निर्देश दिया कि कोई भी हादसा होने पर बिना देर किए तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी जाए, ताकि समय पर कार्रवाई हो सके। निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम ने पूरे निर्माण स्थल की व्यवस्था का जायजा लिया और संचालक को सुरक्षा से जुड़े जरूरी निर्देश दिए।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com